

# श्रद्धालुओं संग अच्छा व्यवहार भी विश्वनाथ धाम में ड्यूटी का हिस्सा

तीन दिवसीय **साफ्ट स्किल प्रशिक्षण** के समापन पर बोले सीपी



‘साफ्ट स्किल’ प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यशाला के समापन पर पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के साथ प्रसन्न मुद्रा में पुलिसकर्मी • पुलिस

**जागरण संवाददाता, वाराणसी :** पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर पुलिस की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। श्रद्धालुओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार व प्रभावी संवाद कौशल भी हमारी जिम्मेदारी है। पुलिसकर्मियों को चाहिए कि वे श्रद्धालुओं को अपना मेहमान समझकर ड्यूटी करें और विनम्रता व धैर्य का परिचय दें।

सीपी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम अंतर्गत त्रयंबकेश्वर हाल में पुलिसकर्मियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ‘साफ्ट स्किल’ प्रशिक्षण एवं

## विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के लिए लगा जर्मन हैंगर, बिछा मैट

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर रहे हैं। इधर पड़ रही तेज गर्मी और लगा रही लंबी कतारों में श्रद्धालुओं को हो रही समस्याओं को मंदिर प्रशासन ने संज्ञान में लिया और धूप तथा

गर्मी के बचाव के लिए पूरे धाम परिसर में जर्मन हैंगर लगा दिए। इसी तरह धाम की पक्की फर्श पर गर्म पत्थरों से श्रद्धालुओं के पांव न जलें, इसके लिए जूट की मैट बिछा दी गई है। वहीं पंखों की भी व्यवस्था की गई है।

संवाद कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मुंबई स्थित आयस्टर एचआर साल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड की विशेषज्ञ टीम ने सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक पद्धति से किया। कार्यक्रम में नागरिक-केंद्रित

पुलिसिंग और सकारात्मक पुलिस छवि निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा अनिल कुमार यादव, एसपी डा. ईशान सोनी, डा. अतुल अंजान त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

## काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की वेशभूषा में फीडबैक लेंगे पुलिसकर्मी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैनात पुलिसकर्मियों के व्यवहार का फीडबैक अब श्रद्धालुओं की वेशभूषा में पुलिसकर्मी लेंगे। हर सप्ताह पुलिस व्यवहार से संबंधित वास्तविक फीडबैक और निरीक्षण किया जाएगा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सोमवार को धाम में तीन दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण के दौरान निर्देश दिए। प्रशिक्षण व पुलिस आयुक्त की काउंसलिंग के बाद नए पुलिसकर्मियों की नियुक्ति होगी।

त्रयंबकेश्वर हॉल में प्रशिक्षण और संवाद कार्यशाला में सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता को पुलिसिंग की मूल भावना के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया गया। पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र, सम्मानजनक, प्रभावी संवाद कौशल, भीड़ प्रबंधन व तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयमित प्रतिक्रिया देने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया गया। पुलिस कर्मियों को भीड़ प्रबंधन, तीर्थ

### नियुक्त पुलिस कर्मियों का 3 दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण और संवाद

स्थलों पर व्यवस्था संचालन और तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया देने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया गया।

बताया गया कि कठोर या असंवेदनशील संवाद नागरिकों में असंतोष उत्पन्न कर सकता है, जबकि सम्मानजनक और सकारात्मक संवाद कई बार तनावपूर्ण स्थितियों को भी सहज बना देता है। संचालन मुंबई ऑयस्टर एचआर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड की विशेषज्ञ टीम ने किया। पुलिस आयुक्त ने टीम की पूजा कृष्णा, दीपशिखा शर्मा व अंजलि मिश्रा को सम्मानित किया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा अनिल कुमार यादव आदि रहे। ब्यूरो

## हिन्दुस्तान

## श्रद्धालुओं को अपना अतिथि समझें पुलिसकर्मी: सीपी

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैनात पुलिस कर्मियों के लिए त्रयंबकेश्वर हॉल में आयोजित सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यशाला का सोमवार को समापन हो गया। तीन दिनी कार्यक्रम में सेवा, सुरक्षा एवं संवेदनशीलता को पुलिसिंग की मूल भावना के रूप में स्थापित करने पर बल दिया गया।

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने

कहा कि काशी विश्वनाथ धाम जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर पुलिस की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार भी जरूरी है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को मेहमान समझकर इयूटी करें। फीडबैक प्राप्त करने के लिए हर सप्ताह पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की वेशभूषा में भेजा जाएगा। कई अफसर मौजूद रहे।

# श्रद्धालुओं को अपना मेहमान समझ इयूटी करें पुलिसकर्मी-मोहित अग्रवाल

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैनात पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण एवं संवाद



कार्यशाला का त्रयंबकेश्वर हॉल में समापन हुआ, जिसमें सेवा, सुरक्षा एवं संवेदनशीलता को पुलिसिंग की मूल भावना के रूप में स्थापित करने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं सम्मानजनक व्यवहार, प्रभावी संवाद कौशल, भीड़ प्रबंधन तथा तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयमित प्रतिक्रिया देने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया गया।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर पुलिस की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार भी उतना ही आवश्यक है, इसलिए पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को अपना मेहमान

काशी विश्वनाथ धाम में नियुक्त पुलिस कर्मियों का तीन दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण सम्पन्न

समझकर इयूटी करें तथा विनम्रता और धैर्य का परिचय दें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि मंदिर में पुलिस व्यवहार से संबंधित वास्तविक फीडबैक प्राप्त करने के लिए प्रत्येक सप्ताह पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की वेशभूषा में भेजा जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मुंबई स्थित ऑयस्टर एचआर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड की विशेषज्ञ टीम द्वारा सहभागितापूर्ण एवं व्यवहारिक पद्धति से किया गया, जिसमें नागरिक-केन्द्रित पुलिसिंग और सकारात्मक पुलिस छवि निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा अनिल कुमार यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।